

7-4-25

पतातकी वेद हरे बधि। क्रीड बधि
मनुष्यस्य काद-बाद भावप्र अगतादि
कोरि श्री उपनिषद् नदी इत्या पुनः
गोप्य काद सिद्ध ल भावप्र अगतादि
श्री कोरि श्री उपनिषद् नदी इत्या

हुकम वाप बरि हुकम करी हुकम
दुखी से रोगिण किण बरि हु
पतावनी बरि हु काम हो बाप
वकील पतावनी दाखल हुकम
होव !

अलखंड अधिकारी
अलखंड

[Faint handwritten notes and signatures]

2011/01
हुकम वाप बरि हुकम करी हुकम
दुखी से रोगिण किण बरि हु
पतावनी बरि हु काम हो बाप
वकील पतावनी दाखल हुकम
होव !

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]